>

Title: Need to send a central team to assess the impending danger to Badrinath Temple by landslide in Chamoli district, Uttarakhand.

श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह (टिहरी गढ़वाल) : मैं केन्द्र सरकार का ध्यान चमोली जिला उत्तराखण्ड स्थित बदरीनाथ धाम के अस्तित्व को उत्पन्न खतरे की ओर दिलाना चाहती हूँ। बदरीनाथ धाम को दोतरफा खतरा पैदा हो गया है। 16 अगस्त, 2013 को भारी बारिश के बाद मंदिर के पीछे नारायण पर्वत से भूस्खलन शुरू हो गया था जिसके बाद सिंचाई विभाग ने सुरक्षा दीवार का निर्माण किया था। अब बदरीनाथ मंदिर के पीछे स्थित नारायण पर्वत पर सिंचाई विभाग की ओर से बनाई गई सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे पर्वत से तेजी से भूस्खलन शुरू हो गया है। इस हालत में नारायणी और इंद्र नाले में जमा मलबा कभी भी भारी तबाही मचा सकता है। इसके अलावा बदरीनाथ मंदिर के ठीक नीचे करीब 50 मीटर की दूरी पर स्थित तप्त कुंड के ब्लॉक भी अलकनंदा नदी के तेज बहाव से खोखले हो गए हैं, जिससे तप्त कुड को खतरा बन गया है। सुरक्षा दीवार के बीच भारी मात्रा में मलबा भर गया है इससे ग्लेशियर पानी मलबे के साथ मंदिर की ओर आ रहा है। बदरीनाथ-केदार मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) ने खतरे के बारे में जिलाधिकारी को पूरी जानकारी दे दी है। मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करती हूं कि मंदिर के पीछे स्थित सुरक्षा दीवार के स्थानीय निरीक्षण और त्वरित रोकथाम के लिए केन्द्र से टीम भेजी जाए और बदरीनाथ की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।